गांव की गोरी

यह एक गांव की लडकी की कहानी है। आशा ने 10 वीं तक की पढायी तो गांव के स्कूल में ही की। पढाई में वह थोडी कमजोर थी सो उसके पिता ने कस्बे के स्कूल में कार्यरत एक टीचर को घर आकर ट्यूशन पढाने के लिये लगा दिया। वह टीचर गाँव में ही उनके पडोस के मकान में किराये पर रहता था। दोनों की छतें मिली हुई थीं। उसका परिवार शहर में रहता था। पढाई के बदले वे उसका खाने आदि का ध्यान रखते थे। वह टीचर 50 वर्ष से उपर का था और घर वाले उस पर पूरा विश्वास करते थे। मम्मी के कहने पर आशा उसके घर की सफाई वगैराह भी कर दिया करती थी।10वीं जब उसने अच्छे अंकों से पास की तो उसके घर वालों ने 12 वीं के लिये उसे कस्बे के स्कूल में दाखिल करवा दिया। इससे आशा के स्कूल जाने की समस्या भी हल हो गयी। वह सर के साथ ही मोटर साइकल पर चली जाती थी। आशा अब जवानी की दलहीज पर कदम रख चुकी थी। उसके उभार कपडों से झांकने लगे थे। वह एक दम गोरी चिकनी थी और उसका बदन माँसल था। दूसरी साल उसी टीचर से पढने तथा साथ साथ स्कूल जाने के कारण वह उनसे काफी खुल चली थी और किसी मोड पर सर ने उस पर हाथ फेर दिया। उमर का तकाजा था कि आशा को यह सब अच्छा लगता था। गाँव से बाहर आते ही आशा उनसे लिपट कर बैठती थी। धीरे धीरे वे और खुलने लगे और सर का हाथ चूत तक पहुँच गया। आशा भी उसका लंड सहलाने लगी। कमरा एकांत में होने के कारण उन्हें आराम से मौका मिल जाता था। सर ने उसे चुदाई के बारे में सब बताया तो उसके मन में चुदवाने की इच्छा जाग गयी पर जगह और मौका नहीं मिलने के कारण तडफ रही थी। सर उसे रोज 1 घंटे पढाते थे और फिर 10-15 मिनिट तक खूब रगडते। यह अब रोजमर्रा की बात हो गयी थी। एक दिन आशा उसका लंड हिला रही थी और वह चूत को रगड फिरा रहा था। जब चूत रिसने लगी तो वह बोला.....

देख तेरी चूत अब लंड मांगने लगी है..... अभी तेरा मन कर रहा है ना....
हाँ...पर डर लगता है.... क्या ये ठीक होगा...आशा मदहोश हो रही थी।
मम्मी पापा के सोने के बाद एक रात मेरे कमरे में आजा.....
नहीं मम्मी कई बार बीच में जग जाती हैं.....
कोई जुगाड कर ना.....बहुत मन कर रहा है तेरी कुंवारी चूत चोदने का.... और उसने उसकी चूत को जोर से भींच दिया तो आशा ने भी उसका लंड कस कर पकड लिया.....
चल अब जोर जोर से उपर नीचे कर....आअह..आअह्ह्ह....और आशा ने स्पीड बडा दी....
आह ..आअह्ह्ह बहुत मजे देती है...मेरी जान.....और थोडी देर में वह आशा के हाथ पर झड गया। फिर कुछ दिन और निकल गये। कहते हैं जहाँ चाह होती है वहाँ राह निकल ही जाती है। एक दिन उसके मम्मी पापा को शहर जाना था जहाँ से उन्हें शाम तक आना था। सर के होते हुए आशा की तो अब ज्यादा चिंता नहीं थी। आखिर सर पर वे पूरा विश्वास करते थे। आशा ने जब सर को यह बात बताई तो उनकी आंखें खुशी चमकने लगी...कुंवारी चूत की कल्पना से। दूसरे दिन स्कूल में अचानक आशा की **तबियत खराब** हो गयी। तो सर ने भी आधी छुट्टी लेली और उसे लेकर घर आ गये। दरअसल ये उनकी

ही योजना का हिस्सा था। आशा आज बहुत उत्तेजित थी पर डर भी लग रहा था....सर उसे लेकर सीधे अपने घर ही आ गये। अन्दर आते ही सर ने उसका हाथ पकड कर अपनी ओर खींचा तो वह सीधे उनकी बांहों में चली गयी और लिपट गयी। सर ने उसे बाहों में भींच लिया और ताबडतोड प्यार करना शुरू कर दिया।

तो आज मेरी रानी चूत के उद्घाटन के लिये तैयार है....सर ने एक हाथ से चूत भींचते हुए पूछा तो वह शरमा गयी।

धत!!!!! वह शरमाते हुए कस कर लिपट गयी..सर ने अपने होंठ उसके होठों पर जमा दिये और फिर कुछ देर चूसने के बाद बोले....

तो चल सुहाग सेज पर आज तेरी सुहागरात है.....और फिर वे उसे बैडरूम में ले गये। अन्दर बैड पर नया चादर और इत्र की खुशबू कुंवारी चूत के स्वागत के लिये तैयार थी। आशा अपने आपे में नहीं थी। अन्दर आते ही सर ने उसे भींच लिया तो वह भी लिपट गयी। सर उसे दनादन चूमने लगे।

कितने दिनों से इंतजार कर रहा था इस दिन का..... चल अब देर मत कर....और उसने उसे नंगा करना शुरू कर दिया....आशा थोडा शरमाई जरूर पर वह खुद मरी जा रही थी। जल्दी ही दोनों नंगे हो गये। उसका गोरा और चिकना बदन देखकर सर की आखें लाल हो गयी। सर ने वापस उसे भींच लिया और चूतड भींचने लगा। फिर उन्होंने उसे पलंग पर लिटाया और टांगें खोलकर बीच में आ गये...सर का लन्ड खडा था। उन्होंने उसे चूत के छेद पर टिकाया और फिर उस पर झुक गये।

थोडा सा दर्द होगा पहली बार...बस फिर मजे ही मजे हैं.....सर ने होंठ चूमते हुए कहा

?????????

उसने फिर हाथ से लंड को चूत पर जमाते हुए थोडा दबाव दिया तो आशा बिलबिलाई पर सर ने अपना हाथ अलग किया और लंड को चूत पर सैट किया और फिर एकदम दबा दिया। लंड का सुपाडा चूत में प्रवेश कर गया...आशा की चीख निकल गयी....सर ने लंड थोडा बाहर खींचा और फिर एक जोरदार शॉट में पूरा घुसा दिया। ***लंड चूत की दीवार तोडता हुआ जड तक समा गया।*** आशा तडफने लगी और पैर पीटने लगी..पर सर ने लंड बाहर खींचा और फिर पेल दिया..वह तडफती रही और वह पेलता रहा...पर यह क्या...

50 वर्ष का लंड 17 साल की कुंवारी चूत की गर्मी नही झेल पाया और 20-25 चोट में ही दम तोड बैठा। आशा को दर्द के सिवा कुछ नहीं मिला। वह रोती रही ...सर ने काफी देर तक उसे समझाया...इस तरह दोस्तो गांव की एक कच्ची कली फूल बन गयी... आशा को नार्मल होने में कई दिन लगे..और वह फिर चालू हो गयी..आशा की तडफ बढती जा रही थी लेकिन समस्या जगह और मौके की थी..इसलिये दुबारा चुद नहीं पायी। इस बीच एक दो बार सर ने उंगली जरूर की। आशा से अब रहा नहीं जा रहा था तो उसने रिस्क लेने की ठान ली। रात को मम्मी पापा के सोने के बाद वह चुपचाप छत के रास्ते से सर के कमरे में पहुंच गयी। सर ने उसे फिर चोदा। इस बार वे आशा की चूत का पानी तो निकालने में सफल हुए पर ***फिर भी कुछ रह सा गया***

उस रात एक और घटना हो गयी। आशा जब जा रही थी तो उसे पडौस में रहने वाले रोहित ने देख लिया। वह उस समय अपनी छत पर टहल रहा था। रोहित एक 22 साल का

कद्दावर युवक था और किसान था। दूसरे दिन जब वे स्कूल से लौट रहे थे तो रास्ते में रोहित ने रोक लिया

कल रात मास्टर के कमरे में क्या हो रहा था.....

क्क्क्याआआअ .....ये तुम क्या कह रहे हो रोहित भैया.....

मैंने सब देखा था...बोल....

प्लीज...मुझे नहीं पता तुम क्या कह रहे हो.....

सब समझ जायेगी....जब तेरा और इस हरामी मास्टर का जलूस निकालूंगा...वह घुर्राते हुए बोला तो वे सहम गये।

ले आ जल्दी बोल नहीं तो .....अभी ठोकता हूं साले हरामी. को....

देखो रोहित भैया...मैं बरबाद हो जाऊंगी.....वह गिडगिडाते हुए बोली .....

ये तुम क्या कह रहे हो रोहित बेटा.....तुम्हें कोई गलतफहमी हो गयी है

रोहित की छवि गांव में वैसे भी अच्छी नहीं थी सो वे दोनों डर गये और सरैंडर कर बैठे .... वैसे भी झूठ के पांव नहीं होते। मास्टर सारा माजरा समझ गया और बोला

ये बातें कहीं और बैठ कर कर सकते हैं....

अब बात क्या करनी है.....

आओ तो एक बार....चलो मेरे कमरे पर...आशा को जाने दो...और फिर रोहित और मास्टर चले गये...आशा डरी सहमी अपने घर पहुँच गयी। रोहित और मास्टर के बीच क्या चल रहा होगा ये वो समझ नहीं पा रही थी। शाम को जब सर आये.....

??????????

तुझे चोदने की कह रहा था.....

नहीं ....ये नहीं हो सकता.....और कोई रास्ता निकालो...

पक्का हरामी है.....मान ही नहीं रहा है....

फिर क्या होगा.....

अपन फँस चुके हैं..... फिर काफी देर तक बात होती रही और अंत में ये ही तय हुआ कि रोहित की बात मानने के अलावा कोई और चारा नहीं है। अगले बुधवार को मम्मी पापा को फिर से शहर जाना था। सर ने रोहित से बात कर ली कि उस दिन आशा को वह स्कूल के समय में ही उसके फार्म पर ले आयेगा। बुधवार को मम्मी पापा जब चले गये तो सर उसे स्कूल के बजाये गांव से दूर रोहित के फार्म पर ले गये। फार्म पर एक छोटी सा कमरा था जिसके बाहर रोहित पहले से एक चारपाई पर लेटा हुआ था.....आशा को देखते ही उसकी आंखे चमकने लगी। वह उठ कर खडा हो गया और चहकते हुए बोला....

आइये गुरुजी....आप यहाँ आराम करो मैं इससे कुछ बात कर लूं.....और उसने आशा का हाथ पकड लिया

रोहित भैया.... आशा गिडगिडाते हुए बोली.....

भैया नहीं मेरी जान सैंया कह.....

मुझे आपसे कुछ बात करनी है..

कर लेना...जो भी बात करनी है..पहले अन्दर तो चल और वह उसे लगभग खींचते हुए कमरे में ले गया और दरवाजा बन्द कर लिया.....कमरे में कुछ कबाड के अलावा एक तखत बिछा था जिस पर साधारण सा बिस्तर बिछा था। आते ही उसने आशा को बिस्तर

पर पटक दिया और उस टूट पडा। उसने उसे दनादन चूमना शुरू कर दिया। वह विरोध करती रही। रोहित ने एक हाथ से चूची दबाना शुरू किया और उसका लंड कपडों की दीवार फाड कर चूत में जाने की कोशिश करने लगा। रोहित जंगली की तरह प्यार कर रहा था। कभी वह निप्पल भींचता तो कभी दांत गडा देता था .....आशा कराहने लगी।

आअह्ह्ह...छोड दो...ये क्या जंगलीपन है.....

चुपचाप पडी रह.....नखडे मत कर.....चुदवाने ही आयी है.....

वो तो ठीक है पर थोडा धीरे तो करो.....दर्द हो रहा है.....

अच्छा ..प्यार से चुदवायेगी.....

????????

तो चल..अब मन से चुदवा ले.....और वह उपर से हट गया....आशा ने चैन की सांस ली। वह बगल मे लेट गया और चूचीयों से खेलने लगा।

चल अब कपडे उतार.....उसने आशा को चूमते हुए उसकी सलवार का नाडा खोल दिया और उतारना शुरू किया तो वह थोडी शरमाई.....

थोडा मुझे खुलने तो दो.....

अब शरमा मत.....आजा मैदान में...चल फटाफट पूरी नंगी हो जा ...ज्यादा मजा आयेगा.....और फिर उसने आशा को पूरा नंगा कर दिया अपने कपडे खोलने लगा। जैसे ही उसने अपनी पैंटी उतारी तो आशा की निगाह उसके 7 इंच लम्बे और काफी मोटे लंड पर पडी...तो वह घबडा सी गयी। उसका लंड फनफना रहा था। सर का लंड तो उसके सामने कुछ भी नहीं था। उपर 22 साल का कद्दावर जवान। आज तो चूत का हलवा बनना तय था...आशा चुदाई की कल्पना से घबडा तो रही थी पर जानती थी कि चुदना तो है ही। उसने आंख बन्द करली। रोहित तो उसके इंतजार में पहले से ही गर्म था सो उसने आव न देखा ताव...उसे बिस्तर पर पटक लिया और ऊपर लेट गया...उसका लौडा उसकी जांघों के बीच घुस गया। आशा ने टांगें भींच ली। रोहित अपने दोनों हाथों से चूची दबाना शुरू किया और बेतहाशा चूमने लगा। फिर उसका एक हाथ चूत पर पहुंचा और उसने उसकी टांगें फैला दी और फिर चूत सहलाने लगा। आशा को भी अब मजा आने लगा। उसकी चूत पनियाने लगी। फिर रोहित ने अपना लंड पकडा और चूत के छेद पर रख दिया.....आशा ने आंखें बन्द करलीं तो रोहित ने उसके होंठ चूमते हुए लंड पर दबाव बडा दिया। लंड का सुपाडा चुपचाप चूत में उतर गया। आशा के मुँह से एक आह निकली.....रोहित ने फिर एक दम जोर से पूरा लंड चूत मे उतार दिया।

आअईईए....आआह्ह्ह एक दम नहीं.....

क्यों चिल्ला रही है.....कौनसा पहली बार चुद रही है बहनचोद.....और रोहित ने उसकी एक न सुनी और पूरा लंड बाहर खींचा और फिर पेल दिया.....

.आआह्ह्ह्ह... धीरे.....पर रोहित पर तो जुनून सवार था सो उसने दनादन चोदना शुरू कर दिया....आशा आअह्ह्ह आअह्ह करती रही और वह पूरी ताकत से चोदता रहा। थोडी देर में आशा को भी मजा आने लगा तो उसने टांगें और फैला दी तो रोहित ने भी अपनी स्पीड व ताकत बडा दी। इस तरह 200 से 250 ठोकरों के बाद रोहित के लंड ने पानी छोडा तो आशा की चूत भी झड गयी। वह निढाल हो गयी। आधा घंटे तक वे ऐसे ही पडे रहे।

फिर कपडे पहन कर बाहर आये। रोहित ने वहाँ खाने का इंतजाम किया हुआ था। उन्होंने खाना खाया और फिर 1 घंटे आराम करने के बाद.....

चल एक बार और हो जाये.....रोहित बोला

अब नहीं...मैं बहुत थक गयी हूं.... हालांकि मन तो उसका भी कर रहा था

अभी से कैसे थक सकती है.....17 साल की चूत तो दिन भर चुद सकती है....रोहित चूची दबाते हुए बोला...

आज इतना ही रहने दो...अगली बार कर लेना.....

अरे आजा अब नखडे मत कर... रोहित ने उसे कमर से पकड कर उठा लिया और कमरे मे लेजाने लगा

तू भी आजा मास्टर..... सर भी जैसे तैयार ही बैठा था...सो उठ गया...फिर वे दोनों आशा को कमरे मे ले आये। आने के बाद थोडी देर प्यार करते रहे और फिर उसे नंगा कर पलंग पर लिटा दिया। फिर दोनों खुद भी नंगे हो गये। रोहित ने पहला मौका सर को दिया तो वे आशा के उपर आगये और फिर जैसा अपेक्षित था...25-30 चोट मारकर झड गये। इस बीच रोहित ने अपना लंड आशा के हाथ में थमा दिया जिसे वह आराम से सहलाती रही। सर के झडने के बाद आशा बाथरूम मे गयी और चूत धोकर लायी और फिर रोहित ने उसे सीधा लिटाया और फिर पहले से क्हीं ज्यादा कस कर चोदा। वह निढाल हो गयी।

इस तरह गांव की एक कुंवारी लडकी की चूत पूरी तरह खुल गयी। उसके बाद कई बार दोनों ने उसे चोदा। एक गलती जो हर बार हुई वह यह थी कि वे अपने लंड चूत में ही झाडते थे। और जब इसका परिणाम आया तो आशा के पैरों तले जमीन खिसक गयी। मम्मी - पापा ने उसे बडे भाई के पास शहर भेज दिया जहाँ उसका अबार्शन हुआ। अबार्शन में उसकी बच्चेदानी खराब हो गयी जिससे अब वह कभी माँ नहीं बन पायेगी। यह बात सिर्फ उसे और उसकी भाभी को मालूम थी जिसे उन्होंने राज ही रखा।

pulkitjha@yahoo.com